जब से मैं खाटू आया तेरा प्यार मैंने पाया भजन लिरिक्स

जब से मैं खाटू आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।

दोहा – मैंने कब कहा के,
मुझे दुनिया का माल दे,
लगी है ठेस दिल से निकाल दे,
मुझ गरीब का तो सांवरे,
इतना सवाल है,
जो कुछ समझ आये तुझे,
मेरी झोली में दाल दे।

जब से मैं खाटू आया,
तेरा प्यार मैंने पाया,
जो भी है मैंने चाहा,
जो भी है मैंने चाहा,
तेरे दर से श्याम पाया,
जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।bd।

तर्ज – तुझे भूलना तो चाहा।

लहरों में नाव बनकर,
धुप में छाव बनकर,
तूने दिया सहारा,
हर मोड़ पे है आकर,
लड़खड़ाया जब भी बाबा,
लड़खड़ाया जब भी बाबा,
तूने मुझे संभाला,
जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।bd।

गर्दिश के दिन थे बाबा,
ना कोई था सहारा,
ना कोई भी खुशी थी,
ना कोई था हमारा,
अंधेरों में उजाला,
अंधेरों में उजाला

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मेरे श्याम ने दिखाया,
जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।bd।

जिसने तुझे पुकारा,
उसको ही तूने तारा,
तेरे दर से जो मिला है,
जाने सारा ज़माना,
'जय कौशिक' जहा में,
'जय कौशिक' जहा में,
देव यही निराला,
जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।bd।

जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया,
जो भी है मैंने चाहा,
जो भी है मैंने चाहा,
तेरे दर से श्याम पाया,
जब से मैं खाटु आया,
तेरा प्यार मैंने पाया।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
मुकेश जी शर्मा।
संपर्क – 8452025357

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com